# स श्व भुव भी वाद में या पर सो दान दे । यह ते । यह दे ।



य अतु:कु:रेव:र्रे:केश:नहस्रश

#### न्गारःळग

र्कू <b>व</b> .लब्	/3
१. न्वेंब्स्थ्रावे ननेवे वे वित्रध्या है सूर वहंग्या सुव हो न्या	
(१) বৃষ্ণংম্বৃষ্ণ: শুক্র্ শ্বংম্বা	/4
(१)क्ष्चशळेद्राश्ची सेण्ट्रिंद्रश्चिद्रश्ची द्र्या श्चिद्रश्ची द्र्या श्चिद्रश्ची द्र्या श्चित्रश्ची द्र्या श्चीत्रश्ची द्र्या श्चित्रश्ची द्र्या श्चित्रश्ची द्र्या श्चीत्रश्ची त्र श्चीत्रश्ची द्र्या श्चीत्रश्ची त्र श्चीत्र श्चीत्रश्ची त्र श्चीत्रश्ची त्र श्चीत्र श्चीत्र श्चीत्र श्चीत्र श्चीत्र श्चीत्र श्चीत्य श्चीत्र श्चीत्र श्चीत्र श्चीत्र श्चीत्र श्चीत्र श्चीत्र श्चीत्	/5
(३) व्रावस्व स्वासित व्यापाद्य व्याप्त विष्य व्याप्त विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय	
१. कैंश हो न् श्रेश श्रे कें व्याय यथ ने वाय न् न् स्त्र श्रे वाय हो न् न वाय हो न न न स्त्र न वा	/8
(१) रू हे र थें व हव वहें अप प हो र ह्या	/8
(१)শব্-শ্রমশ:শ্রীশ:শ্র-শ্রেশ্র-শ্রম্ব-শ্র	

## र्जू व.पर्जू

देन्न स्ट्रिंग निक्ष विष्य क्ष्य म्या विष्य क्ष्य क्

### १. नर्गेत्रसेशली ननेवे किर्प्य प्रमाहे सूर वहंग्य स्नुव हो नया

#### (१) रुअर्म्यश्यी पर्मे अर्दर म्सून मा

चेश्वर्ययाची स्ट्रिश्च निर्द्य म्यान द्वं निर्द्य म्यान द्वं निर्द्य स्त्र स्त्र निर्द्य स्त्र स्त्र निर्द्य स्त्र स्त्र

यन् प्रतः वर्षः प्रयमः क्षेत्रः प्रतः क्षेत्रः प्रतः क्षेत्रः प्रतः क्षेत्रः प्रयमः क्षेत्रः वर्षः क्षेत्रः प्रयमः क्षेत्रः प्रतः क्षेत्रः प्रयमः क्षेत्रः प्रतः क्षेत्रः प्रयमः क्षेत्रः प्रतः क्षेत्रः प्रयमः कष्टि कष्

#### स्नम् नरे स्वामा की इसाय वर्षेया नसू नु कु रे धिना

#### (१) क्रवशक्रेव ग्री क्षेता द्वे मुक्र पहिंद्य ग्री द्वा

दे त्या स्वार क्षेत्र स्वार क्षेत्र क्षेत्

देशक्ष्यः हैं स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्यय स्वया स्

- (१) क्वं देवारा के शासिक के विद्यान द्राया द्राया हित्य विद्या है त्र विद्या के स्वाया के विद्या के विद्य
- (३) श्चै :क्व्याया श्वेर : वी :श्च्याया या विवाद द्वाया विवाद ह्वाया व्याय क्विया विवाद ह्वाया विवाद ह्वाय ह्वाया विवाद ह्वाया ह्वाया विवाद ह्वाय ह्वाय ह्वाय ह्वाय ह्वाय ह्वाय ह्याय ह्वाय ह्वा
- (८) ह्ये.क्र्यायाक्षेटावानात्राच्यक्षाचार्टाह्यावाक्षाच्याक्षाच्याक्षाच्याक्षाच्याक्षाच्याक्षा

- च्यमा श्रीटा हे वे 'क्ष'न श्री क्रिंग मार्चिट वर्षेत श्री वा क्रिंग व्या हो दाया हो दाया श्री क्रिंग वा क्रिंग वा
- पर विचान श्रुवाश निराम कुन् श्रेवा विक्षा विकास के स्था विचाय स्था स्था विचाय स्था स्था विचाय स्था स्था विचाय स्था विचाय स्था विचाय स्था विचाय स्था विचाय स्था विचाय
- सक्दरमाश्चा भ्री मित्रमार्थित प्राप्त क्षेत्र स्वामार्थित स्वामार्य स्वामार्थित स्वामार्थित स्वामार्थित स्वामार्थित स्वामार्थ
- (1) न्यर्थाह्न्यः प्रिंत्रियः प्रह्म्यः प्रक्षित् प्रह्म्यः या अहत् ह्या या या या विष्यः प्रक्षित् व्या या विषयः विषयः
- (५) न्ययायर्ज्ञेन् वर्षेत्रायात्र्येन् वर्षेत्रायात्र्यात्र्यात्रायात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य

#### (३) वर नमून क्षेत्र क्षेत्र ना रेवि नुरुष्य प्राष्ट्र न न्या नुप्ति र प्रा

 चीश्राक्षानाने प्रस्ति न्या स्वेता स्वेता स्वेता स्वेता स्वेत्त्र स्वेता स्वेता स्वेता स्वेता स्वेता स्वेता स् या स्वार्थ प्रमाने प्रस्ति स्वेता स्व

योश्रेन्यन्तर्थः स्वायः स्व स्वायः स्वाय

ये अस्य रुद्ध म्हार्थ में त्र क्षेत्र में प्रत्य क्षेत्र क्

द्यायात्रात्त्रे प्रत्यायात् क्ष्यात् प्रत्यायात् क्ष्यायात् क्ष्यात् क्ष्यायात् क्षयात् क्ष्यायात् क्ष्यात् क्ष्यायात् क्ष्यायात् क्ष्यायात् क्ष्यायात् क्ष्यायात् क्ष्यात् क्ष्यायात् क्ष्यायात् क्ष्यायात् क्ष्यायात् क्ष्यायात् क्ष्या

लीयायायोडु भारातु : क्रू भाक्षी हो सारवार क्रू में सार्थ स्था क्षेत्र स्था में भावता स्था में भावता स्था में सार्थ सार्थ सार्थ स्था में सार्थ सार्थ स्था में सार्थ सार्थ स्था में सार्थ सार्य सार्थ सार्य सार्थ सार्य सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्य सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्य सार्थ सार्य सार्थ सार्थ स

### १. कॅशनो न् शे श्रूश श्रु कें वारायश ने वारान्त समुद्र श्रु वा ने न् नावा के नर नश्रूदा वा

#### (१) रूट हे द खें व प्रवाद हैं या या हो द ही।

र्श्वराम्या मार्च में में क्षेया ने प्यर मानवर ने राज्य में में मानव्य में मानव्य में मानव्य में में में मानवर में मानवर में में में मानवर मानवर में मानवर में मानवर में मानवर मा

त्यत्व क्ष्यत्य द्वा त्या विषय विषय क्ष्यत्य क्ष्यत्य विषय क्ष्यत्य विषय क्ष्यत्य विषय क्षयत्य क्षय क्षय क्षयत्य व्यवस्य क्षयत्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्

दस्याश्रासक्रियायीश्राण्यम् मध्यश्रास्त्रम् सित्राच्चित्रः हिन् सी प्रयुक्तः हि । विश्वास्त्रास्त्रम् सित्राच्चित्रः विश्वास्त्रम् । विश्वास्त्रम् सित्राच्चित्रः विश्वास्त्रम् । विश्वास्त्रम् सित्राच्चित्रः विश्वास्त्रम् । विश्वस्त्रम् । विश्वस्त्रम्यम् । वि

डेशन्त्रस्य प्रत्याक्ष्य स्थान्त्र स्थान्त्र

वेशनाश्चर्यायानवित्। देशःश्चे क्षिन्यान्दान्त्र्वेत्रः व्यायत् श्चेत्रः श्चान्यः श्चेत्रः श्चान्यः व्यायान्दान्यः व्यायान्द्रः व्यायान्द

#### (१)यत्र शेस्र भी स्या स्ट स्वा साया सुन प्रति स्

चित्राव्याः क्रियायात्र प्रत्याः क्रिया द्रियायाव्या व्ययः क्रियः वादः क्रियः वादः व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्य व्याप्त्र व्याप्त्य व्याप्त्र व्याप्त्य व्याप्त्य व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्य व्याप्त्य व्याप्त्य व्याप्त्य व्याप्त्य व्याप्त्य व्

द् त्रिं हे त्र अर्च न् नक्किर अर्च न् केष्ठ क्षेत्र क्षेत्

यहेद दशायहंत्र श्र श्रीय की श्रीट हूँ यथा यह टशाहे। स्टास्ट वीशायिस या में त्या के प्राप्त के प्रा

स्राक्ष-तर्ने च्याविया विश्वाम् स्राह्म-त्यान्त्र स्राह्म-त्यान्त्र स्राह्म स

है अर्बूद प्रवि केंद्र मिं कें अप्याद अर्बूद मिं प्रवि प्रव

ग्वेरशन्दः बस्यः छेन्न्दः दे॥

#### गिरिट.लश्न.रेग.थे.पश्चीर.चर.सूर्य।

कुर्य अ.चेश्व क्षेट्र. यदु . यट् . य्वेट स्वेट्र. यच्येट अ.चेश्व क्षेट्र . यद् . युव्य . युव्य . युव्य . युव्य कुर्य अ.चेश्व . युव्य . युव्य

> > वेश ग्रास्ट्रश्य सदे हिम्

याश्वयान्त्रेयाः स्वाय्यान्त्र विश्वार्ष्ट्रेट् स्वयान्त्र प्रत्यान्त्र । विश्वारेट स्वयान्त्र प्रत्य स्वयान्त्र स्वयान्य स्वयान्त्र स्वयान्त्र स्वयान्त्र स्वयान्त्र स्वयान्त्र स्वयान्त्र स्वयान्त्र स्वयान्य स्वयान्य

पहुंच्या अर्थे त्या स्वास्त्र क्षेत्र क्षेत्र

 च्यातः) ब्रेच्यातः ह्यायः व्याप्तात्त्र व्यापत्त्र व्याप्तात्त्य व्याप्तात्त्र व्याप्तात्त्र व्याप्तात्त्र व्यापत्त्र वयापत्त्र व्यापत्त्र वयापत्त्र वयापत्त्य वयापत्त्र वयापत्य वयापत्त्र वयापत्त्र वयापत्त्र वयापत्त्र वयापत्त्र वयापत्त्र वयापत्त्र वयापत्त्र वयापत्त्र वयापत्त्य वयापत्त्र वयापत्त्र वयापत्य वयापत्त्र वयापत्त्य वयापत्त्य वयापत्य वयापत्त्य वयापत्त्य वयापत्त्य वयापत्य वयापत्त्य वयापत्य वयापत्य वयापत्य वयापत्य वयापत्य व

क्रूच-वर्क्क विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र क्षेत्

सह्याःसबर्।

देवाश्राक्षाः श्रूप्ताः स्ट्रिट् प्रत्ये वित्याः स्ट्रिट् वित्याः स्ट्रिट वित्याः स्ट्रिट् वित्याः स्ट्र

हेशसूँ दः व दुः व देवा विदे हैं। व दुव परा